hemistich are in A, S arranged thus: 3, 4, 5, चारः खानी, 2, 1; both have well for well; in D, N 2, 1, 5, 3, 4; both have चार.—A, S, and perhaps C वा for च.-28. A, S, N चतुरखनाचा.-29. A, S, खड़ांग. —C, B स्थान महस्त्रमानः—30. All but C in the text, and O चळाथिनीं.— C, B जलेन for अनलेन.—31. C, N कुला अथवा.—D मांडलीका, O मांडलिका. -A, O बावी, S, N बावी for बामी.-S संज्ञान.-32, C, B, D चारूम॰, N चोरूम॰, O चोनो.—A, S राज्ञां होष, N राज्ञामेष, D, O राजा होष.—A. S, N राजा for दाता.—33. C in the text ससंधिः, in the comment सुगंधिः, like A, S; he mentions also a v. r. ਚੁਸੰਬ:; it is not clear what he had before him; B, D, N, O have समलः—O ग्राक्रात्करः स्थात. -34. All but C, A (अं) ब्रि.—A, S पाम:—A परखधा.—35. D, N, O नामा.—A, S यस for य: स.—C seems to have (च) स्त for इ.—B, D कायाव्रत:—36. O प्रिय for जित.—A क्षेत्रा for कुछा, and S क्षेया.—37. C मंडलक लचणमता ए॰, D, N, O the same, but मांडिं जिक.—All but O वेताल.—38. All but A, S पर्ष for रूच.—All but A, S दान for याग.—39. A भावी, D सांवी, S, N, O साची.—There follows in all the MSS., except A, S, O a 40th stanza, the same as vs. 117 of the preceding Chapter; here, however, facta for खवलाक्य, and B, D सर्वजगत्स.—The title of this Ch. in C is पंचमहा-प्रवानचर खचणं, in A, S, N पंचप्रवलः.—The number in C is 65, in A, B, D 69, om. in S, N.

CHAPTER LXX.

In N Ch. LXVIII. is repeated here, but from another hand.—In A, S this Ch. precedes the foregoing.—2. A, S, N असंदिना.—3. A, S छलाटस्टु, N ललाटगुर.—A, S, N गंभीरनाभिर.—D, O च मसा.—5. D, O विवल्लिनाइं.—C, A चरामस.—C, D, O रामप्रवर्जितम्.—6. D जपमाधरा.—D सुखार्थमांतिदाः—7. S दङ्नीला.—9. N चार for युक्त —D, O ग्रुभकराः—10. S संगाराम्नि.—D, N, O श्रोवस for श्रोटच.—A, S स्थितर् for चिवा, C, B, D अथवा.—B, D, O नरपत्यांनि स्तिथा राज्ञितां, N न्यत्यां यांति स्तिथा राज्ञतां.—C writes राज्ञां पदं, probably a copyist's blunder.—11. B, D अथवा for जित न.—A, S सुखसुत, O सुखरत, N पित for मृत.—12. All but C write अंगुली.—D, O जर्द्धा.—B, D (अ)थ यस्याः, O च यस्याः—13. A, S प्रमाणहीना, in C the text is omitted by inadvertence, but he must have r. like N, our r., or like D, O प्रमाणमूनाथ.—14. D वृष्टंत्यः—A, S मृतन्यः—C, N अहिज्ञमध्या, and C mentions also a v. r. र्तिकिज्ञमूला (अविक्रियमूला?).—16. S, O तद्नंतरं.—B, D, N, O स्थूणते उक्रनाथाः, C, A स्थूणति.—D प्रदिष्टा for अतिपापा.—17. A रामसे.—18. C, A, S चरं.—A